क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रेस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुपी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

दैनिक क्रांति समय

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंश, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुपी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 89, मंगलवार, 23 अप्रैल, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्ड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

चौकीदार चोर पर राहुल के खेद पर बोले मोदी, करंट लगने पर मुंह से बहुत कुछ निकलता है

महाराष्ट्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस राज में भी बम धमाके होते थे, लेकिन तब सिर्फ श्रद्धांजलियां देकर सब शांत हो जाता था। मोदी ने कहा कि विपक्ष पहले पाकिस्तान का नाम लेकर बस रोता था। महाराष्ट्र के नासिक में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अब हम दुश्मन के घर में घुसकर जवाब देते हैं, कोई अब भारत की तरफ आंख उठाने की हिमाकत नहीं करता। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा चौकीदार टिप्पणी पर खेद जताने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि करंट लगने पर लोगों के मुंह से कुछ भी निकलता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे ही मैं वंशवाद, राष्ट्रीय सुरक्षा की बात करता हूं, तो कुछ लोगों को मानो करंट लग जाता है और ऐसे में उनके मुंह से मेरे खिलाफ बहुत कुछ निकल जाता है। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में अपनी टिप्पणी चौकीदार के लिए खेद जताया और कहा कि चुनावी प्रचार में कई बार जुबान फिसल जाती है।

साध्वी प्रज्ञा के मामले में आयोग की कार्यप्रणाली संदिग्ध : मायावती

लखनऊ । भोपाल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी साध्वी प्रज्ञा के मामले में चुनाव आयोग के रूख पर संदेह जताते हुए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने कहा कि संवैधानिक संस्था की कार्यप्रणाली लोकतंत्र के लिये चिंता का विषय है। मायावती ने ट्वीट किया भोपाल से बीजेपी प्रत्याशी और मालेगांव ब्लास्ट आरोपी साध्वी प्रज्ञा का दावा है कि वे 'धर्मयुद्ध' लड़ रही हैं। यही है बीजेपी/आरएसएस का असली चेहरा जो लगातार बेनकाब हो रहा है। लेकिन आयोग केवल नोटिसें ही क्यों जारी कर रहा है तथा बीजेपी रत्न प्रज्ञा का नामांकन क्यों नहीं रद्द कर रहा है। उन्होने फिर लिखा मीडिया की जबर्दस्त आलोचनाओं के बावजूद चुनाव आयोग अगर जनसंतोष के मुताबिक निष्पक्षता से काम नहीं कर रहा है तो यह देश के लोकतंत्र के लिए बड़ी चिन्ता की बात है। इस गिरावट के लिए असली जिम्मेदार कोई और नहीं बल्कि बीजेपी व पीएम मोदी हैं जो गंभीर चुनावी आरोपों से घिरे हैं।÷ गौरतलब है कि कांग्रेस ने अपने दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह को भोपाल लोकसभा से टिकट दिया है जहां उनका मुकाबला भाजपा की साध्वी प्रज्ञा ठाकुर से है।

राज ठाकरे को मुंबई रैली के लिए मंजूरी मिली

मुंबई । बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने सोमवार को राज ठाकरे की अगुवाई वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को आखिरकार 23 अप्रैल को यहां शहीद भगत सिंह मैदान, काला चौकी में एक सार्वजनिक रैली आयोजित करने की अनुमति दी। पहले मनसे ने 24 अप्रैल को वडाला में रैली करने की योजना बनाई थी। लेकिन, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आपत्ति जताने के बाद बीएमसी और राज्य चुनाव कार्यालय ने मनसे को यहां कार्यक्रम करने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। अब तक, राज ने राज्य में लगभग पांच रैलियों को संबोधित किया है, जिसमें व्यापक पैमाने पर लोगों की भागीदारी रही है। अपनी शैली में, वह उन क्षेत्रों में अपने मन की बात कहते हैं अपनी शैली में, वह उन क्षेत्रों में अपने मन की बात कहते हैं जहां विपक्षी कांग्रेस-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा), भाजपा-शिवसेना के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं। हालांकि एमएनएस ने लोकसभा चुनाव में कोई उम्मीदवार नहीं उतारा है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या भाजपा को वोट नहीं देने की उनकी अपील ने मतदाताओं, विशेष रूप से जिनका रुझान अभी स्पष्ट नहीं है ।

लोकसभा चुनाव

लोकसभा के तीसरे चरण के लिए वोटिंग आज अमित शाह-राहुल की किस्मत ईवीएम में होगी बंदो

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 16 राज्यों की 117 सीटों और ओडिशा विधानसभा की 42 सीटों पर मंगलवार को मतदान होगा। तीसरे चरण में गुजरात, केरल , महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, असम, गोवा, जम्मू-कश्मीर, दादर एवं नागर हवेली और दमन एवं दीव में मतदान होगा। इसके अलावा तमिलनाडु की वेल्लोर और त्रिपुरा की त्रिपुरा पूर्वी सीट भी शामिल है जहां दूसरे चरण में वोटिंग होनी थी। मतदान सुबह 7 से शाम 5 बजे और कहीं-कहीं शाम 6 बजे तक भी होगा। तीसरे चरण के साथ ही दक्षिण भारत में चुनाव पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

इन राज्यों में चुनाव

गुजरात की सभी (26) , केरल की सभी (20) महाराष्ट्र (14) , कर्नाटक (14), उत्तर प्रदेश की (10), छत्तीसगढ़ की (7), ओडिशा की (6), पश्चिम बंगाल (5) , बिहार (5), असम (4), गोवा (2), जम्मू-कश्मीर की (1), दादर एवं नागर हवेली (1) , दमन एवं दीव की (1) सीट पर मतदान होगा। इसके अलावा तमिलनाडु की वेल्लोर और त्रिपुरा की त्रिपुरा पूर्वी सीट पर वोटिंग होगी। तीसरे चरण में गुजरात और केरल में मतदान होगा जहां गांधीनगर से अमित शाह और वायनाड से राहुल गांधी की किस्मत ईवीएम पर कैद होगी। वहीं समाजवादी पार्टी के प्रमुख मुलायम सिंह यादव की भी किस्मत कल ईवीएम में कैद हो जाएगी। मुलायम मैनपुरी से प्रत्याशी हैं। इसके अलावा रामपुर से आजम और जयाप्रदा की किसम्त का फैसला भी कल होगा। तीसरे चरण में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रावसाहेब दानवे, राकांपा की सुप्रिया सुले, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राधाकृष्ण विखे पाटिल के पुत्र और अहमदनगर से भाजपा के सुजय विखे पाटिल और स्वाभिमान पक्ष के राजू शेट्टी आदि शामिल हैं। गुलबर्गा से मल्लिकार्जुन खड़गे (कांग्रेस), उत्तर कन्नड से केंद्रीय मंत्री अनंत कुमार हेगड़े (भाजपा) तथा बिजापुर से केंद्रीय मंत्री रमेश जिगजिगानी, येदियुरप्पा के बेटे बी वाई राघवेंद्र (भाजपा) तथा पूर्व मुख्यमंत्री एस बंगारप्पा के बेटे मधु बंगारप्पा (जेडीएस) की किस्मत का फैसला भी कल ही होगा। इसके अलावा बीजद के बी महताब, पिनाकी मिश्रा, अरुप पटनायक, भाजपा के संबित पात्रा, प्रकाश चंद्र मिश्रा और अपराजिता सारंगी आदि की किस्मत भी मंगलवार को ईवीएम में कैद हो जाएगी।

लोकसभा सीटें

उत्तर प्रदेश- मुरादाबाद, रामपुर, सम्भल, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आंवला, बरेली, पीलीभीत गुजरात -खेड़ा, आणंद, अमरेली, बनासकांठा, साबरकांठा, पाटन, जूनागढ़, दाहोद, बारडोली, सुरेंद्रनगर, जामनगर, पोरबंदर, भरूच, गांधीनगर, अहमदाबाद पूर्व, अहमदाबाद पश्चिम, राजकोट, भावनगर, कच्छ, पंचमहल, वडोदरा, छोटा उदयपुर, सूरत, नवसारी, वलसाड, मेहसाणा असम- धुबड़ी, कोकराझार, बारपोटा, गुवाहाटी बिहार- झंझारपुर, सुपौल, अररिया, मधेपुरा, खगड़िया छत्तीसगढ़- सरगुजा, रायगढ़, जांजगीर-चंपा, कोरबा, बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर गोवा- नॉर्थ गोवा, साउथ गोवा जम्मू-अनंतनाग कर्नाटक- चिक्कोडी, बेलगांव, बगलकोट, बीजापुर, गुलबर्गा, बीदर, रायचूर, कोप्पल, बेल्लारी, हावेरी, धारवाड़ा, उत्तर कन्नड़, दावणगेरे, शिमोग केरल - इदुक्की, अलाथुर, कोल्लम, कासरगोड, पोनान्नी, तिरुवनंतपुरम, अट्टिंगल, आलप्पुझा, कन्नूर, वाडकरा, वायनाड, कोझिकोड, मल्लापुरम, पालक्काड़, त्रिशूर, चालाकुडी, एर्नाकुलम, कोट्टायम, मावेलिकारा, पथानामथिट्टा महाराष्ट्र- जलगांव, रावेर, जालना, औरंगाबाद, रायगढ़, पुणे, बारामती, अहमदनगर, मढ़ा, सांगली, सातार, रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग, कोल्हापुर, हटकानांगले।

भाजपा कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाएगी: शाह

उलुबेरिया। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी फिर से सत्ता में आने के बाद जम्मू - कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाएगी और देशभर में राष्ट्रीय नागरिक पंजी लागू करेगी। शाह ने तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी पर अपने अल्पसंख्यक वोट बैंक के ''तुष्टीकरण के लिए हवाई हमलों पर सवाल उठाने का आरोप लगाया और व्यंग्यपूर्वक कहा कि वह पाकिस्तान के साथ ''ईलू इलू (आई लव यू) कर सकती हैं लेकिन अगर वह देश हम पर गोलियां चलाएगा तो हम तोप के गोलों से जवाब देंगे। नादिया में हावड़ा और कृष्णानगर क्षेत्र में उलुबेरिया लोकसभा सीट पर चुनाव प्रचार करते हुए शाह ने टीएमसी प्रमुख से यह स्पष्ट करने की मांग की कि क्या अपने सहयोगी नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला की तरह वह भी जम्मू-कश्मीर के लिए अलग प्रधानमंत्री चाहती हैं। शाह ने 90 के दशक में आई एक फिल्म के मशहूर गीत का जिक्र करते हुए कहा, ''आपको (ममता) पाकिस्तान के साथ ईलू ईलू करना है तो कीजिए। लेकिन अगर पाकिस्तान गोली मारेगा तो हम गोला मारेंगे। शाह ने यहां एक चुनावी रैली में कहा, ''हम केंद्र में अगली भाजपा सरकार बनाने के बाद कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटा देंगे। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस अनुच्छेद 370 बनाए रखना चाहती है। हम देशभर में एनआरसी भी लागू करेंगे। शाह ने कहा, ''हमारे लिए राष्ट्रीय सुरक्षा अहम है जबकि ममता दीदी के लिए घुसपैठिए वोट बैंक हैं।

राहुल गांधी ने विश्वसनीयता खोई : सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

रक्षामंत्री एवं भाजपा नेता निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। राफेल मामले पर कांग्रेस अध्यक्ष ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर की गई अपनी टिप्पणी पर खेद जताया है, जिसके बाद सीतारमण ने उन पर निशाना साधा। सर्वोच्च न्यायालय ने चौकीदार चोर है बयान को उससे जोड़ने पर कांग्रेस अध्यक्ष से जवाब मांगा था। सोमवार को राहुल गांधी ने अपने जवाब में माना कि अदालत ने ऐसा कभी नहीं कहा। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा कि संबंध बेहतर करने के लिए कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम द्वारा पाकिस्तान के प्रति भारत के व्यवहार को बदलने के आग्रह से पता चलता है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे को कांग्रेस गंभीरता से नहीं लेती। गांधी पर हमला बोलते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि राजनीतिक सुविधा और अदालत की अवमानना से बचने के लिए ही उन्होंने खेद व्यक्त किया। सीतारमण ने कहा, अदालत के प्रकोप से बचने के लिए उन्होंने खेद प्रकट किया है। मैं निश्चित रूप से कहूंगी कि यह विश्वसनीयता का मामला है जो तब बुरी तरह से प्रभावित होती है, जब सार्वजनिक जीवन में लोग ऐसी परिस्थिति में पहुंच जाते हैं जहां उन्हें असत्य के आधार पर कही गई अपनी बात पर बाद में खेद जताना पड़ता है। राहुल गांधी की विश्वसनीयता पर विपरीत असर पड़ा है। वह लगातार झूठ बोल रहे हैं। यह दुख की बात है। सीतारमण ने कहा कि उन्हें अफसोस होता है कि कांग्रेस झूठ पर निर्भर है।

उन्होंने कांग्रेस से यह स्पष्ट करने को कहा कि पाकिस्तान के संबंध में सरकार से वह कौन सा व्यवहार परिवर्तन चाहती है। सीतारमण ने पूछा कि क्या वे चाहते हैं कि हम आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करना बंद कर दें? क्या वे चाहते हैं कि हम अपने क्षेत्र को लेकर समझौता करें? क्या वे चाहते हैं कि भारत सरकार यह कहे कि जम्मू एवं कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है? उन्होंने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चिदंबरम व्यवहार परिवर्तन चाहते थे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चिदंबरम व्यवहार परिवर्तन चाहते थे। उन्होंने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि चुनाव के दौरान भी कांग्रेस की ओर से ऐसे बयान आते हैं।

महागठबंधन के पक्ष में हो रही है वोटों की बारिश : अखिलेश

लखीमपुर खीरी। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया कि मोदी सरकार की नीतियों से नाराज मतदाता नये भारत और नये प्रधानमंत्री की आस में गठबंधन पर वोटों की बरसात कर रहा है। राजकीय इंटर कालेज मैदान पर एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुये यादव ने सोमवार को कहा कि आज देश के संविधान को खतरा है। राजनीति के स्तर में भारी गिरावट दिख रही है। भाजपा नया भारत बनाने का झूठा सपना दिखा रही है लेकिन देश को जब नया प्रधानमंत्री और नयी सरकार मिलेगी तभी नया भारत बनेगा। राजनीति में नई दिशा देनेवाला समाजवादी पार्टी-बहुजन समाज पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल का मजबूत गठबंधन है। हमारा गठबंधन दिलों का है जो टूटने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा को उसकी विफलताओं के लिए सबक सिखाने की कवायद में जैसे-जैसे चुनाव बढ़ रहा है, महागठबंधन के पक्ष में वोटों की बारिश हो रही है। हमारे तीन दलों के गठबंधन को महामिलावट कहा जा रहा है लेकिन जो 38 दलों के साथ गठबंधन किए हुए हैं वे बतायें उनका गठबंधन महामिलावटी है कि नही। सपा का गठबंधन उन गरीबों का है जिन्हें सम्मान नहीं मिला है। जिन्हें सम्मान नहीं मिला है। यादव ने कहा कि अन्नदाता किसान की आत्मा खेती है।

आदिवासियों को गुमराह करने वाली कांग्रेस से सतर्क रहें: मोदी

उदयपुर (एजेंसी) ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर सात दशक तक देश को ठगने, चुनाव में राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आतंकवाद का मुद्दा उठाने से रोकने का आरोप लगाते हुए कहा है कि कांग्रेस आदिवासी अधिकारों के मामले में एक बार फिर गुमराह करना चाह रही है जिससे सतर्क होना होगा। भाजपा उम्मीदवार अर्जुन मीणा के समर्थन में आयोजित चुनाव सभा को सम्बोधित करते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि लोकसभा चुनाव में राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आतंकवाद का मुद्दा नहीं उठाना चाहिए, लेकिन मैं उनकी बातों में आने वाला नहीं हूं क्योंकि ये सभी मुद्दे राष्ट्रीय स्तर के हैं जो लोकसभा चुनाव में उठाना जायज है। उन्होंने कहा कि यह नगर पालिका के चुनाव नहीं हैं, जिनमें इन मुद्दों को नहीं उठाया जाये। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोच बहुत छोटी है तथा उन्हें यह भी पता नहीं कि देश के मुद्दे क्या हैं। पिछले छह महीने से पांच छह गालियां निकालकर घूम रहे हैं तथा हमारे सपूतों के सबूत मांग रहे हैं। उन्होंन कहा कि सपूतों ने हमारे देश का माथा ऊंचा किया, लेकिन सुबूत मांगने वाली गैंग ने माथा नीचे करने का प्रयास किया है। उन्होंने जनता से सवाल किया कि अपने सपूत पर भरोसे करोगे या सुबूत मांगने वालों पर। श्री मोदी ने कहा कि मतदान के दो चरणों में जनता ने कांग्रेस को ऐसा सुबूत दे दिय है कि उनके मुंह पर अब ताले लग गये हैं।

किसानों का कर्ज दस दिन में माफ करने के कांग्रेस के वायदे पर तंज कसते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि लोग दस दिन की बात पूछते हैं तो कांग्रेस के लोग मुंह छिपाने लगते हैं।

स्मृति ईरानी को झटका, मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने मानहानि मामले में कांग्रेस नेता संजय निरुपम की याचिका पर सुनवाई करते हुए सोमवार को केंद्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी को नोटिस जारी किया। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने निरुपम की उनके खिलाफ ईरानी की मानहानि याचिका पर जारी समन दिल्ली उच्च न्यायालय के रद्द करने से इन्कार करने के फैसले को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में लगायी गयी गुहार पर सुनवाई करते हुए यह नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा, हम निरुपम की अर्जी पर 29 अप्रैल को सुनवाई करेंगे। निरुपम ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है, जिसमें उन्होंने उनके खिलाफ जारी समन को दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा रद्द करने से इन्कार करने के फैसले को चुनौती दी है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा नेता ईरानी ने निरुपम के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया है, जिसको लेकर अदालत ने निरुपम को नोटिस जारी किया है। गौरतलब है कि निरुपम ने भी ईरानी के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए ।

चांदनी चौक से बीजेपी प्रत्याशी डॉ. हर्षवर्धन ने भरा नामांकन, रोड शो में दिखी भारी भीड़

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चांदनी चौक लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने नॉर्थ दिल्ली डीएम ऑफिस पर अलीपुर में पहुंचकर अपना नामांकन भरा। इस मौके पर उनके साथ मुख्तार अब्बास नकवी समेत दिल्ली बीजेपी के कई पदाधिकारी भी थे। सबसे पहले सुबह पीतमपुरा के पुष्पांजलि में डॉक्टर हर्षवर्धन के कार्यालय पर हवन पूजन किया गया। इसके बाद एक विशाल जुलूस निकाला गया जो पीतमपुरा से चलकर शक्ति नगर मॉडल टाउन एरिया से होते हुए आजादपुर और उसके बाद अलीपुर डीएम कार्यालय पहुंचा जहां डॉक्टर हर्षवर्धन ने अपना नामांकन पत्र भरा। डॉ. हर्षवर्धन ने दावा किया कि उनकी और बीजेपी की पूरे देश में ऐतिहासिक जीत होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ पूरा देश खड़ा है इसलिए नरेंद्र मोदी का फिर से प्रधानमंत्री बनना निश्चित है। चांदनी चौक पर इनका मुकाबला कांग्रेस के जेपी अग्रवाल और आम आदमी पार्टी के पंकज गुप्ता से होगा। जय प्रकाश अग्रवाल भी कांग्रेस के पहले भी काफी मतों से जीत दर्ज करवाने वाले पूर्व सांसद है इसके सवाल पर डॉ. हर्षवर्धन का कहना था कि वह किसी के बारे में बात नहीं करेंगे चाहे कोई अकेले चुनाव लड़ कर आए या गठबंधन से आए उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता उनकी जीत निश्चित है जनता उनके साथ है।

सुमित्रा-सुषमा नहीं दिखेंगी इस बार संसद में, 15 साल बाद दिग्विजय चुनावी मैदान में

भोपाल (एजेंसी)।

मध्यप्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अपने प्रत्याशी घोषित करने के बाद अब ये स्पष्ट हो गया है कि इस बार संसद में लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन और विदेश मंत्री सुषमा स्वराज जैसे कद्दावर चेहरे नहीं दिखाई देंगे। भाजपा ने इस बार महाजन के स्थान पर अपना गढ़ कही जाने वाली सीट इंदौर से इंदौर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष शंकर लालवानी को मैदान में उतारा है। लालवानी का मुकाबला कांग्रेस के पंकज संघवी से होगा। महाजन के चुनाव लड़ने से इंकार के बाद इस सीट पर भाजपा को अपना प्रत्याशी तय करने में लंबा समय लगा। भाजपा के ही दूसरे गढ़ विदिशा में स्वराज के उत्तराधिकारी के तौर पर पार्टी ने अपेक्स बैंक के पूर्व अध्यक्ष रमाकांत भार्गव पर भरोसा जताया है। सुषमा स्वराज भी लोकसभा चुनावों की घोषणा के पहले ही चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान कर चुकीं थीं। ऐसे में इस सीट पर भी पार्टी ने लंबी कवायद के बाद भार्गव के नाम के तौर पर अपने पत्ते खोले। उनका मुकाबला कांग्रेस के पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल से है। प्रदेश का भोपाल संसदीय क्षेत्र इस बार अपने रोचक मुकाबले के चलते देश के उन चुनिंदा संसदीय क्षेत्रों में शामिल हो गया है, जिस पर 23 मई को मतगणना के दिन पूरे देश की नजरें रहेंगी। यहां से कांग्रेस ने अपने कद्दावर नेता और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को चुनावी मैदान में उतार दिया है। वर्ष 2003 में प्रदेश से कांग्रेस की विदाई के बाद से सिंह पहली बार चुनावी राजनीति में उतर रहे हैं। उनका सामना देश भर में हिंदुत्व के चेहरे के तौर पर उभरीं मालेगांव विस्फोट में कानूनी प्रक्रिया का सामना कर चुकीं भाजपा की साध्वी प्रज्ञा ठाकुर से है। हालांकि साध्वी प्रज्ञा अपने बयानों के चलते खुद को प्रत्याशी घोषित किए जाने के दिन से ही सुर्खियों में बनी हुई हैं। मुख्यमंत्री कमलनाथ के संसदीय क्षेत्र छिंदवाड़ा पर कांग्रेस की ओर से कमलनाथ की राजनीतिक विरासत उनके पुत्र नकुलनाथ को सौंपी गई है।

नकुलनाथ के सम्मुख भाजपा ने इस सामान्य सीट पर आदिवासी नेता और पूर्व विधायक नत्थन शाह को उतारा है। छिंदवाड़ा से सटे जबलपुर संसदीय क्षेत्र पर दोनों दलों के दो दिग्गज आमने-सामने हैं।

संपादकीय

सदमे में श्रीलंका

एक शांत और मनोरम देश के रूप में अपनी नई ख्याति गढ़ रहे श्रीलंका में हुए सिलसिलेवार बम धमाके न केवल दुखद, बल्कि सबके लिए सबक भी हैं। अब तक के ब्योरे के मुताबिक, आठ विस्फोटों में 200 लोगों के मरने की आशंका जताई जा रही है और 600 से ज्यादा घायल हुए हैं। ईस्टर के अवसर पर एक धर्म विशेष के लोगों को निशाना बनाया गया है। चर्च और ऐसे होटलों पर हमले किए गए हैं, जहां धर्म विशेष के लोगों का जमघट था। वे धार्मिक कार्य के लिए जुटे थे, खुशी मना रहे थे, आपस में मिल-जुल रहे थे, लेकिन आतंकियों को यह पसंद नहीं आया। उनकी शैतानी मानसिकता की जितनी निंदा की जाए, कम है। जाहिर है, इन हमलों से पूरी दुनिया में मातम और चिंता का माहौल है। तमाम देशों के राष्ट्राध्यक्ष और नेता इन हमलों की कड़े शब्दों में यथोचित निंदा कर रहे हैं। ये हमले मानवता पर ठीक उसी तरह से हमला हैं, जैसे हाल ही में न्यूजीलैंड में मस्जिद पर हुआ हमला था। दोनों ही जगह धार्मिक कृत्य में लगे लोगों को निशाना बनाया गया है। हिंसा की यह बढ़ती प्रवृत्ति बेहद खतरनाक है। श्रीलंका के लिए तो यह और भी दुखद है। इस देश ने सिंहली, बौद्ध, तमिल तनाव को लगभग दो दशक तक झेला है। यह तो पूरी दुनिया के लिए खुशखबरी थी कि श्रीलंका हिंसा के दुखद और शर्मनाक दौर से निकल आया था, लेकिन ताजा हमलों ने श्रीलंका के दामन पर फिर दाग लगा दिए हैं। यह समझना होगा कि यह अलग तरह की अंधी हिंसा है, इसमें अलग तरह की नस्लीय या सांप्रदायिक घृणा के संकेत मिल रहे हैं। ये संकेत श्रीलंका ही नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया व दुनिया के लिए भी विचार के प्रेरक बिंदु होने चाहिए। खतरों से सावधान रहना होगा। अनेक तरह की आशंकाएं प्रबल होने लगी हैं। कहीं श्रीलंका हिंसा के नए दौर में न चला जाए? वहां जातीय या सांप्रदायिक घृणा का एक नया दौर न शुरू हो जाए? वहां की सरकार को ही नहीं, बल्कि श्रीलंका से सरोकार रखने वाली तमाम सरकारों को सचेत रहना होगा कि सागर से घिरे इस छोटे देश में सौहार्दपूर्ण जीवन जल्दी से जल्दी पटरी पर लौट आए। हिंसा से बुरी तरह से दुखी और आहत रहे श्रीलंकाई समाज के लिए भी यह परीक्षा की घड़ी है। यह संयम, शांति और चिंतन का समय है। विस्फोट करने वालों और उनके संगठनों का सही-सही पता लगाना होगा। बहुत सावधानी से उन कारणों की विस्तृत पड़ताल होनी चाहिए कि आखिर श्रीलंका को ही क्यों ऐसी सांप्रदायिक हिंसा का शिकार होना पड़ा है? क्या ऐसे बर्बर लोग भी हैं, जिन्हें श्रीलंका में बहुत परिश्रम और त्याग के बाद आई शांति रास नहीं आ रही है? क्या ऐसे लोग हैं, जो चाहते हैं कि श्रीलंका में किसी न किसी बहाने हिंसा का कारोबार चलता रहे, निर्दोष लोगों का खून बहता रहे? यह भारत सरकार के लिए भी चुनौतीपूर्ण समय है। भूलना नहीं चाहिए कि श्रीलंका में अशांति भारत को भी महंगी पड़ती रही है। एक शांत, सद्भावी श्रीलंका भारत के हित में है। श्रीलंका को सबसे ज्यादा उम्मीद अभी भारत से ही होगी, तो कोई आश्चर्य नहीं। भारत सरकार के लिए भी यह जांच और चिंतन का विषय होना चाहिए कि दक्षिण एशिया में इस तरह की जातीय या जातिगत हिंसा क्यों ज्यादा होती है? इन हमलों के हरसंभव संकेतों से हमें सीखना होगा।

ट्वीट

आतंकवादी

श्रीलंका में आतंकवादी बम धमाकों ने एक इस्लामवादी समूह, ''थोहेद जमात', जो सीरिया-जिहाद रिटर्न शामिल है, को सुर्खियों में दिया है। विदेशी गुप्तचरों ने श्रीलंका को चेतावनी दी थी कि ''थोमीद जमात' ने प्रमुख चर्चो और भारतीय उच्चायोग (दूतावास) पर बमबारी करने की योजना बनाई है।

ब्रह्म चेलानी, सामरिक विश्लेषक

चमकीले उपभोक्ता बाजार का सम्मोहन

जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों भारत का उपभोक्ता बाजार और भारत का ई-कॉमर्स बाजार दुनिया के सभी देशों की तुलना में सबसे तेजी से बढ़ता दिखाई दे रहा है। भारत के बाजार की छलांगें लगाकर और आगे बढ़ने की संभावनाएं भी बढ़ती जा रही हैं। हाल ही में 18 अप्रैल को ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने निर्णय लिया है कि वह चीन में अपना काम समेटकर भारत के ऑनलाइन बाजार में कारोबार को और बढ़ाएगी। अमेजन ने यह निर्णय चीन में अलीबाबा की स्वामित्व वाली टी मॉल और जेडी डॉट कॉम के वर्चस्व को देखते हुए लिया है। भारत में अमेजन सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी है। पिछले दिनों प्रकाशित विश्व प्रसिद्ध कंसलटेंसी फर्म बीसीजी की रिपोर्ट 2019 में कहा गया है कि वर्ष 2008 में भारत का जो उपभोक्ता बाजार महज 31 लाख करोड़ रुपये था, वह 2018 में 110 लाख करोड़ रुपये का हो गया। अब भारत का उपभोक्ता बाजार 2028 तक तीन गुना बढ़कर 335 लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत का उपभोक्ता बाजार वर्ष 2008 से हर साल करीब 13 फीसदी बढ़ रहा है। उपभोक्ता बाजार की यह वृद्धि देश में बढ़ती आबादी, तेज शहरीकरण और मध्य वर्ग के तेजी से बढ़ने की वजह से हो रही है। उपभोक्ता बाजार में प्रोडक्ट के साथ-साथ सर्विसेज की डिमांड भी तेजी से बढ़ रही है। कपड़े, फुटवेयर, हेल्थकेयर तेजी से बढ़ने वाले सेगमेंट के रूप में उभरे हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि देश के उपभोक्ता बाजार के बढ़ने का एक बड़ा कारण ई-कॉमर्स का तेजी से बढ़ना भी है। हाल ही में प्रकाशित डेलॉय इंडिया और रिटेल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का ई-कॉमर्स बाजार वर्ष 2021 तक 84 अरब डॉलर का हो जाएगा। वर्ष 2017 में यह 24 अरब डॉलर का था। भारत में ई-कॉमर्स बाजार सालाना 32 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। निःसंदेह ई-कॉमर्स ने देश में खुदरा कारोबार (रिटेल सेक्टर) में क्रांति ला दी है। देश में इंटरनेट के उपयोगकर्ताओं की संख्या 60 करोड़ से भी अधिक होने के कारण देश में ई-कॉमर्स की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। यकीनन छलांगें लगाकर आगे बढ़ रहे भारत के विशालकाय उपभोक्ता बाजार की आंखों में उपभोग और खुशहाली के जो सपने हैं, उनको पूरा करने के लिए देश-विदेश की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपनी नई रणनीतियां बना रही हैं। निश्चित रूप से उपभोक्ता बाजार की अपनी जोरदार शक्ति के कारण दुनिया की नजरों में कल तक बहुत पीछे रहने वाला भारत आज दुनिया की आंखों का तारा बन गया है। जहां अपनी उपभोक्ता शक्ति के कारण भारत आर्थिक महाशक्ति बनने का सपना लेकर आगे बढ़ रहा है, वहीं वह अपनी खरीदारी क्षमता के कारण पूरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित भी कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मंचों और वैश्विक संगठनों में भारत की चमकीली अहमियत दिखाई दे रही है। निश्चित रूप से देश की बढ़ती जनसंख्या का उपभोक्ता बाजार के तेजी से बढ़ने से सीधा संबंध है। इस समय भारत की जनसंख्या दुनिया में सबसे अधिक तेजी से बढ़ रही है। वर्तमान में भारत की आबादी 134 करोड़ और चीन की आबादी 141 करोड़ है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक जनसंख्या पर प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया था कि वर्ष 2024 में भारत की जनसंख्या चीन से अधिक हो जाएगी। छलांगें लगाकर बढ़ती भारतीय जनसंख्या अब 2024 में ही दुनिया की सर्वाधिक जनसंख्या हो जाएगी। इसी तरह संयुक्त राष्ट्र के डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक एंड सोशल अफेयर्स द्वारा दुनिया के विभिन्न देशों की जनसंख्या से संबंधित रिपोर्टों के अनुसार पूरी दुनिया की आबादी जो अभी 770 करोड़ है, वर्ष 2050 तक बढ़कर 980 करोड़ हो जाएगी। भारत की ऐसी सबसे बड़ी जनसंख्या सबसे बड़े वैश्विक उपभोक्ता बाजार का आधार भी होगी। निश्चित रूप से देश में जैसे-जैसे औद्योगिकीकरण, कारोबारी विकास तथा शहरीकरण बढ़ रहा है वैसे-वैसे देश का उपभोक्ता बाजार तेजी से बढ़ रहा है। जहां एक ओर गांवों से रोजगार की चाह में लोगों का प्रवाह तेजी से शहरों की ओर बढ़ रहा है वहीं दूसरी ओर शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं के कारण लोग शहरों में ही रहना पसंद करते हैं। प्रतिभाएं शहरों में इसलिए रहना चाहती हैं क्योंकि शहरों में विश्वस्तरीय रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा प्लेसमेंट सेंटर बनता जा रहा है। भारत के शहरों की ओर से विकसित देशों के लिए आउटसोर्सिंग का प्रवाह तेज होता जा रहा है। भारत में अंग्रेजी बोलने वाले पेशेवर सरलता से मिल जाते हैं और भारत के शहरों में व्यावसायिक कार्यस्थल पश्चिमी देशों के मुकाबले काफी कम दरों पर उपलब्ध हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारत में उपभोक्ता बाजार बढ़ने में मध्य वर्ग की अहम भूमिका है। शहरों में रहने वाले मध्य वर्ग के लोग अपने उद्यम-कारोबार, अपनी सेवाओं तथा अपनी पेशेवर योग्यताओं से न केवल अपनी कमाई बढ़ा रहे हैं, वरन अपनी क्रय शक्ति से उपभोक्ता बाजार को भी चमकीला बना रहे हैं। हाल ही में ग्लोबल कंसलटेंसी फर्म पीडब्ल्यूसी ने कहा है कि वर्ष 2019 में भारत फ्रांस को पीछे छोड़ते हुए क्रय शक्ति के आधार पर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। निःसंदेह देश के उपभोक्ता बाजार को गति देने में इंटरनेट का अहम योगदान है। दुनियाभर में डेटा आधारित व्यवस्थाओं में बढ़ोतरी की तुलना में भारत में डेटा उपभोग में वृद्धि सबसे अधिक हो रही है। भारत में डेटा और वायस कॉल की लागत विश्व में सबसे कम है। देश के 40 प्रतिशत से ज्यादा लोग स्मार्टफोन चला रहे हैं। ऑनलाइन माध्यमों से लेनदेन आसान हुआ है। मोबाइल से व्यवसायों का संचालन हो रहा है। ऐसे में जब देश का उपभोक्ता बाजार लगाकर बढ़ रहा है, तब उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी से बचाने और उनके हितों के संरक्षण की चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं। जो उपभोक्ता आज बाजार की आत्मा कहा जाता है, वह कई बार बाजार में मिलावट, बिना मानक की वस्तुओं की बिक्री, अधिक दाम, कम नापतोल जैसे शोषण से पीड़ित होते हुए दिखाई दे रहा है। उपभोक्ता संरक्षण के वर्तमान कानून पर्याप्त नहीं दिखाई दे रहे। उत्पादों की गुणवत्ता संबंधी शिकायतों के संतोषजनक समाधान के लिए नए नियामक भी सुनिश्चित किए जाने जरूरी हैं। नयी वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के तहत भविष्य में डेटा की वही अहमियत होगी जो आज तेल की है। अतएव उपभोक्ताओं के उपयुक्त संरक्षण तथा मोबाइल डेटा उपभोग मामले में सबसे पहले भारत को डेटा सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना होगा। जिस देश के पास जितना ज्यादा डेटा संरक्षण होगा, वह देश आर्थिक रूप से उतना मजबूत होगा। चूंकि आर्थिक संदर्भ में डेटा एक ऐसा क्षेत्र है जहां कोई नियम-कानून नहीं हैं। अतएव इससे संबंधित उपयुक्त नियम कानून जरूरी हैं। यह सुनिश्चित किया जाना होगा कि डेटा पर देश का ही नियंत्रण हो और खास डेटा को भारत में ही रखा जाए। ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा और उसके व्यावसायिक इस्तेमाल को लेकर तमाम पाबंदी लगाई जानी जरूरी है। निश्चित रूप से छलांगें लगाकर बढ़ते हुए उपभोक्ता बाजार से जहां भारतीय उपभोक्ताओं की संतुष्टि बढ़ेगी वहीं कम कीमत पर वस्तुएं उपलब्ध होंगी। इससे देश की विकास दर बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था चमकीली बनेगी।

लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं।

ज्ञान गंगा

हरीतिमा संवर्धन

श्रीराम शर्मा आचार्य/ श्रावणी धार्मिक स्वाध्याय के प्रचार का पर्व है। सद्ज्ञान, बुद्धि, विवेक और धर्म की वृद्धि के लिए इसे निर्मित किया गया, इसलिए इसे ब्रह्मपर्व भी कहते हैं। श्रावणी पर रक्षाबंधन बड़ा ही हृदयग्राही है। श्रावणी वैदिक पर्व है। प्राचीन काल में ऋषि- मुनि इसी दिन से वेद पारायण आरंभ करते थे। इसे ''उपाकर्म' कहा जाता था। वेद का अर्थ है- सद्ज्ञान और ऋषि का तात्पर्य है वे आप्त महामानव, जिनकी अपार करूणा के फलस्वरूप वह सुलभ- सरल हो सका। सद्ज्ञान का वरण जितना आवश्यक है और जिनसे वह प्राप्त हुआ था, जिनके परिश्रम, त्याग, तप व करूणा से सुगम हो सका, उनके द्रष्टा ऋषि- मनीषियों को भी उतना ही श्रद्धास्पद मानना चाहिए एवं उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए। श्रावणी पर्व पर द्विजत्व के संकल्प का नवीनीकरण किया जाता है। उसके लिए परंपरागत ढंग से तीर्थ अवगाहन, दशस्नान, हेमाद्रि संकल्प एवं तर्पण आदि कर्म किए जाते हैं। श्रावणी के कर्मकाण्ड में पाप- निवारण के लिए हेमाद्रि संकल्प कराया जाता है, जिसमें भविष्य में पातकों, उपपातकों और महापातकों से बचने, परद्रव्य अपहरण न करने, परनिंदा न करने, आहार- विहार का ध्यान रखने, हिंसा न करने, इंद्रियों का संयम करने एवं सदाचरण करने की प्रतिज्ञा ली जाती है। यह सृष्टि नियंता के संकल्प से उपजी है। हर व्यक्ति अपने लिए एक नई सृष्टि करता है। यह सृष्टि यदि ईरीय योजना के अनुकूल हुई, तब तो कल्याणकारी परिणाम उपजते हैं, अन्यथा अनर्थ का सामना करना पड़ता है। अपनी सृष्टि में चाहने, सोचने और करने में कहीं भी विकार आया हो, तो उसे हटाने और नई शुरुआत करने के लिए हेमाद्रि संकल्प करते हैं। ऐसी क्रिया और भावना ही कर्मकाण्ड का प्राण है। श्रावणी पर्व पर सामान्य देवपूजन के अतिरिक्त विशेष पूजन के अन्तर्गत ब्रह्मा, वेद एवं ऋषियों का आह्वान किया जाता है। ब्रह्मा सृष्टि कर्ता हैं। ब्राह्मीचेतना का वरण करने एवं अनुशासन के पालन करने से ही अभीष्ट की प्राप्ति हो सकती है। उस विधा को अपनाने, जानने एवं अभ्यास में लाने वाले ही श्रेष्ठता के प्रतीक- पर्याय होते हैं। इस पर्व पर ज्ञान के अवतरण की वेदों के रूप में अभ्यर्थना की जाती है। ज्ञान से ही विकास का आरंभ होता है। अज्ञान ही अवनितका मूल है। अज्ञान से अशांति पनपती और अशक्ति अभाव को जन्म देती है।

आज का राशिफल

मेष	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
वृषभ	पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
मिथुन	सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।
कर्क	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
तुला	राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृश्चिक	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
कुम्भ	व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

धरती बचाने की जिम्मेदारी का अहसास

ज्ञानेन्द्र रावत

पृथ्वी दिवस समूची दुनिया में 22 अप्रैल को मनाया गया। यह दिन एक ऐसे महापुरुष की दृढ़ इच्छाशक्ति के लिए जाना जाता है, जिन्होंने ठान लिया था कि हमें पृथ्वी के साथ किए जा रहे व्यवहार में बदलाव लाना है। वह थे अमेरिका के पूर्व सीनेटर गेराल्ड नेल्सन। 22 अप्रैल 1970 को उन्हीं के प्रयासों से लगभग दो करोड़ लोगों के बीच अमेरिका में पृथ्वी को बचाने के लिए पहला पृथ्वी दिवस मनाया गया था। उनका विचार था कि पर्यावरण संरक्षण हमारे राजनीतिक एजेंडे में शामिल नहीं है। क्यों न पर्यावरण को हो रहे नुकसान के विरोध के लिए एक व्यापक जमीनी आधार तैयार किया जाये और सभी इसमें भागीदार बनें। आखिरकार आठ साल के प्रयास के बाद 1970 में उन्हें अपने उद्देश्य में कामयाबी हासिल हो पायी। तब से लेकर आज तक दुनिया में 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। 1990 में इस दिवस के आयोजन से दुनिया के 141 देश सीधे तौर पर और जुड़े। दरअसल विकास के दुष्परिणाम के चलते हुए बदलावों के कारण पृथ्वी पर दिन-ब-दिन बोझ बढ़ता जा रहा है। यह तथाकथित विकास वास्तव में विनाश का मार्ग है, जिसके पीछे इनसान आज अंधाधुंध भागा चला जा रहा है। इसमें जलवायु परिवर्तन ने अहम भूमिका निबाही है। आज का दिन आत्मचिंतन का दिन है। इसलिए आज के दिन हम सबका दायित्व बनता है कि पृथ्वी के ऊपर आए इस भीषण संकट के बारे में सोचें और इससे निजात पाने के उपायों पर अमल करने का संकल्प लें। पृथ्वी की चिंता आज किसे है। यह मुद्दा नेताओं के राजनीतिक एजेंडे में है ही नहीं क्योंकि पृथ्वी वोट बैंक नहीं है। जबकि पृथ्वी हमारे अस्तित्व का आधार है, जीवन का केन्द्र है। वह आज जिस स्थिति में पहुंच गई है, उसे वहां पहुंचाने के लिए हम ही जिम्मेवार हैं। आज सबसे बड़ी समस्या मानव का बढ़ता उपभोग है मगर पृथ्वी केवल उपभोग की वस्तु नहीं है। वह तो मानव जीवन के साथ-साथ लाखों-लाख वनस्पतियों-जीव-जंतुओं की आश्रयस्थली भी है। इसके लिए खासतौर से उच्च वर्ग, मध्य वर्ग, सरकार और संस्थान, सभी समान रूप से जिम्मेवार हैं जो संसाधनों का बेदर्दी से इस्तेमाल कर रहे हैं। जीवाश्म ईंधन का पृथ्वी विशाल भंडार है लेकिन इसका जिस तेजी से दोहन हो रहा है, उसकी मिसाल मुश्किल है। इसके इस्तेमाल और बेतहाशा खपत ने पर्यावरण के खतरों को निश्चित तौर पर चिंता का विषय बना दिया है। असलियत में इस्तेमाल में आने वाली हर चीज, भले वह पानी, जमीन, जंगल, नदी, कोयला, बिजली या लोहा आदि कुछ भी हो, पृथ्वी का दोहन करने में हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। असल में प्राकृतिक संसाधनों के अति दोहन से जैव विविधता पर संकट मंडराने लगा है। प्रदूषण की अधिकता के कारण देश की अधिकांश नदियां अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। आईपीसीसी के अध्ययन खुलासा करते हैं कि बीती सदी के दौरान पृथ्वी का औसत तापमान 1.4 फारेनहाइट बढ़ चुका है। अगले सौ सालों के दौरान इसके बढ़कर 2 से 11.5 फारेनहाइट होने का अनुमान है। पृथ्वी के औसत तापमान में हो रही यह बढ़ोतरी जलवायु और मौसम प्रणाली में व्यापक स्तर पर विनाशकारी बदलाव ला सकती है। इसके चलते जलवायु और मौसम में बदलाव के सबूत मिलने शुरू हो ही चुके हैं। महासागरों के गर्म होने की रफ्तार में इजाफा हो रहा है। एक शोध के जरिये भूविज्ञानियों ने खुलासा किया है कि पृथ्वी में से लगातार 44 हजार बिलियन वॉट उष्मा बाहर आ रही है। पृथ्वी से निकलने वाली कुल गर्मी के आधे हिस्से का लगभग 97 फीसदी रेडियो एक्टिव तत्वों से निकल रहा है। जहां तक ई-कचरे का सवाल है, अकेले 2016 में दुनिया में 4.47 करोड़ टन ई-कचरा पैदा हुआ। हर साल हमारे यहां बीस लाख टन ई-कचरा पैदा होता है। प्रदूषण के चलते हर तेरह सेकेंड में दुनिया में एक व्यक्ति की मौत हो जाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार जनसंख्या वृद्धि से धरती के विनाश का खतरा मंडरा रहा है। इससे वे सभी प्रजातियां खत्म हो जायेंगीं जिन पर हमारा जीवन निर्भर है। इसके लिए सबसे पहले हमें अपनी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा। अपने उपभोग के स्तर को कम करना होगा। स्वस्थ जीवन के लिए प्रकृति के करीब जाकर सीखना होगा। सरकारों के लिए यह जरूरी है कि वे विकास को मात्र आर्थिक लाभ की दृष्टि से न देखें बल्कि, पर्यावरण को भी विकास का आधार बनायें। पृथ्वी दिवस के अवसर पर हम पृथ्वी के प्रहरी बनकर उसे बचाने और आवश्यकतानुरूप उपभोग का संकल्प लें। तभी हम धरती को लम्बी आयु प्रदान करने में समर्थ हो सकते हैं।

4जी डाउनलोड स्पीड के मामले में जियो ने एक बार फिर मारी बाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो ने 4जी डाउनलोड स्पीड के मामले में एक बार फिर अपनी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों को काफी पीछे छोड़ दिया है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के मार्च 18 के 4जी डाउनलोड स्पीड मामले में जियो की औसत दर्ज की गई। ट्राई की तरफ से सोमवार को प्राप्त आंकड़ों के अनुसार फरवरी में जियो की औसत डाउनलोड स्पीड 20.9 प्रतिशत थी। जियो की तुलना में भारती एयरटेल इस मामले में बहुत पीछे हैं। भारती एयरटेल की डाउनलोड स्पीड फरवरी के 9.4 की तुलना में गिरकर मार्च में 9.रह गई। ट्राई आंकडों के अनुसार एयरटेल की 4जी डाउनलोड स्पीड में लगातार दूसरे महीने गिरावट आई है। इस क्षेत्र की दो अन्य कंपनियों वोडाफोन और आइडिया के सेल्युलर कारोबार का विलय हो चुका है।

अब यह वोडाफोन आइडिया के रुप में काम कर रहे हैं किंतु ट्राई ने दोनों नेटवर्क की डाउनलोड, अपलोड स्पीड को अलग-अलग दिखया है। वोडाफोन नेटवर्क की औसत 4जी डाउनलोड स्पीड फरवरी के 6.8 की तुलना में मामूली सुधार के साथ मार्च में 7.हो गई। आइडिया की गति में माह के दौरान गिरावट आई और यह से घटकर 5.6ख्क्षश्चह्य रह गई। उधर वोडाफोन ने औसत 4जी अपलोड स्पीड मामले में अपने पहले नंबर का दर्जा बरकरार रखा। वोडाफोन ने आइडिया को दूसरे नंबर पर घकेल कर फरवरी में यह स्थान हासिल किया था। वोडाफोन की 4जी अपलोड स्पीड मार्च में 6पर टिकी रही।

आइडिया और एयरटेल की यह गति घटकर क्रमश 5.5 और रह गई। जियो ने इस क्षेत्र में अपनी गति को फरवरी की तुलना में सुधारा और यह 4.5 की तुलना में मार्च में हो गई। ट्राई औसत स्पीड की गण्ना आंकड़ों के आधार पर करता है। यह आंकड़े वास्तविक समय के आधार पर ट्राई के माईस्पीड एप्लिकेशन की सहायता से जुटाए जाते हैं।

दूरसंचार क्षेत्र के लिए एमटीएनएल का होना जरूरी, ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) के अस्तित्व को लेकर उठ रही शंकाओं के बीच इसके चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक पी के पुरवार ने कहा है कि एमटीएनएल के एक वहनीय दूरसंचार आपरेटर के तौर पर बने रहना दूरसंचार ग्राहकों और बाजार दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आज कि दूरसंचार बाजार में गलाकाटा प्रतिस्पर्धा के बावजूद भी एमटीएनएल ने अपनी पहचान नहीं खोई है और उसका महत्व बना हुआ है। पुरवार की ओर से की गई यह टिप्पणी इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि सार्वजनिक क्षेत्र की एमटीएनएल और बीएसएनएल दोनों ही भारी कर्ज बोझ तले दबी हैं। यही वजह है कि इन कंपनियों को अपने स्टाफ का वेतन और दूसरी देनदारियां निपटाने में समस्या आड़े आने लगी है। दूरसंचार क्षेत्र में रिलायंस जियो, भारतीय एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के बीच जारी गला काटा प्रतिस्पर्धा के बीच सरकार इन दोनों उपक्रमों के लिये एक पुनरूद्धार पैकेज तैयार करने में जुटी है। पुरवार ने कहा, ''आज भी दिल्ली और मुंबई सर्किल में लैंडलाइन फोन के बाजार में एमटीएनएल का 50 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सा है। ब्रांडबैंड बाजार में भी हमारा काफी बड़ी बाजार हिस्सेदारी है। जहां तक मोबाइल सेवा की बात है इसमें हमारी बाजार हिस्सेदरी कम है।

लेकिन आज भी लोग एमटीएनएल की सेवाओं को चाहते हैं उन्होंने जोर देकर कहा कि ग्राहक और बाजार दोनों ही लिहाज से वहनीय दूरसंचार आपरेटर के तौर पर एमटीएनएल को बनाए रखने की जरूरत है। पुरवार ने कहा, ''इस प्रकार एमटीएनएल अभी भी दूरसंचार क्षेत्र में अपना स्थान रखता है और हम उम्मीद करते हैं कि सरकार की तरफ से जो कदम उठाए जा रहे हैं।

टीसीएस ने भारतीय डाक के 1.5 लाख डाकघरों को आधुनिक बनाने में की मदद

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा प्रदाता कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने भारतीय डाक की उसके 1.5 लाख डाकघरों को आधुनिक बनाने में मदद की है। टीसीएस ने इसके लिए एक एकीकृत समाधान पेश किया है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि वर्ष 2013 में मुंबई आधारित इस कंपनी ने घोषणा की थी कि उसे डाक विभाग (डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट) से सूचना प्रौद्योगिकी आधुनिकीकरण कार्यक्रम के लिए 1,100 करोड़ रुपए का ठेका मिला था। कंपनी ने बताया कि उसे यह जिम्मा बहुवर्षीय-ठेके के तहत मिला है। इस पार्टनरशिप का उद्देश्य इंडिया पोस्ट (भारतीय डाक) को आधुनिक प्रौद्योगिकी तथा प्रणाली से लैस करना था ताकि डाकघर अपने ग्राहकों को और सेवाओं की पेशकश प्रभावी तरीके से कर पाए। टीसीएस की ओर से जारी बयान में कहा गया, इस पूरे बदलाव के के केंद्र में टीसीएस द्वारा डिजाइन और कार्यान्वित किया गया कोर सिस्टम इंटीग्रेशन कार्यक्रम है। इसमें एकीकृत ईआरपी (एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग) का उपयोग करना शामिल था। यह डाक सेवाओं, वित्त, लेखा तथा मानव संसाधन कार्यों को बेहतर बनाता है। साथ ही यह 1.5 लाख से अधिक डाकघरों के नेटवर्क को जोड़ता है, जिससे यह दुनिया में सबसे बड़े वितरित ई-पोस्टल नेटवर्क का निर्माण करता है। इसके साथ ही टीसीएस ने बताया कि उसने 24,000 डाकघरों में 80,000 प्वाइंट आफ सेल (पीओएस) टर्मिनल के जरिए पीओएस समाधान क्रियान्वित किया है।

कारोबार बढ़ाने की तैयारी में स्पाइसजेट, एमिरेट्स के साथ की साझेदारी

मुंबई (एजेंसी)।

एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट ने सोमवार को एमिरेट्स एयरलाइंस के साथ कोड शेयर साझेदारी के लिए एक प्रारंभिक संधि पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। इस संदर्भ में स्पाइसजेट ने कहा कि, इस साझेदारी से विमानों के लिए नए रास्ते खुलेंगे। स्पाइसजेट के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा कि, विश्व में स्पाइसजेट के कारोबार को बढ़ाने के लिए ये बड़ा कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि, हमने कोड शेयर साझेदारी के लिए एक प्रारंभिक संधि पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे स्पाइसजेट के यात्री 51

घरेलू रूट के जरिए एमिरेट्स में सफर कर सकेंगे। यानी स्पाइसजेट के यात्री अब अमेरिका, यूरोप और अफ्रीका में भी सफर कर सकेंगे। हाल ही में सस्ती विमान यात्रा मुहैया कराने वाली एयरलाइन स्पाइसजेट ने कहा था कि उसने जेट एयरवेज के 100 पायलट सहित 500 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी पर रख लिया है। कंपनी ने कहा था कि वह आगे और भी कर्मचारियों को शामिल करने के लिए तैयार है। कंपनी आने वाले समय में अधिक संख्या में विमान और नए मार्गों पर सेवायें देने जा रही है।

हुआवेई का राजस्व 39 फीसदी बढ़ा

बीजिंग। साल 2019 की पहली तिमाही में चीनी दूरसंचार दिग्गज-हुआवेई ने राजस्व में 39 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है, जो कि 179.7 अरब यूआन (26 अरब डॉलर) रही। यह दर्शाता है कि अमेरिका द्वारा कंपनी के 5जी उपकरणों पर लगाए गए प्रतिबंध का उसके वैश्विक कारोबार पर बहुत कम असर पड़ा है। हुआवेई. सैमसंग और एप्पल के अलावा दुनिया के शीर्ष तीन स्मार्टफोन निर्माताओं में से एक है। साल 2019 की पहली तिमाही में कंपनी के मुनाफे में 8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जोकि पिछले साल की समान अवधि से थोड़ा अधिक है। हुआवेई ने साल 2019 में दुनिया में 5जी की बड़े पैमाने पर तैनाती का अनुमान लगाया है। कंपनी ने कहा कि इससे उसके कारोबार में वृद्धि के अभूतपूर्व अवसर पैदा होंगे। हुआवेई एंटरप्राइज बिजनेस समूह ने दुनिया का पहले 5जी सक्षम वाई-फाई 6 एक्सेस प्वाइंट को इसी तिमाही में स्थापित किया। साल 2019 की पहली तिमाही के अंत तक कंपनी ने वाई-फाई 6 उत्पादों की बिक्री दुनिया की किसी भी अन्य कंपनी की तुलना में अधिक की थी।

नीरव और चोकसी के भागने के बाद सिल्वर ज्वैलरी निर्यात में भारी गिरावट

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

नीरव मोदी और मेहुल चोकसी के भारत से भागने के बाद सिल्वर ज्वैलरी के निर्यात पर काफी बुरा असर पड़ा है। देश के सिल्वर ज्वैलरी निर्यात में बड़ी गिरावट हुई है। वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान भारत से सिल्वर ज्वैलरी के निर्यात में 75 फीसदी तक की भारी गिरावट आई है। पिछले साल पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) के कथित 14,000 करोड़ रुपए के लोन धोखाधड़ी केस में हीरा कारोबारी नीरव मोदी और चोकसी पिछले साल की शुरुआत में देश से भाग गए थे। लेकिन इसका असर पिछले वित्त वर्ष में देखा गया जब भारत में इनका कारोबार अचानक बंद हो गया। परिणामस्वरूप, पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान सिल्वर एक्सपोर्ट 2017-18 में हुए 3.4 बिलियन डॉलर की तुलना में 838 मिलियन डॉलर का रह गया। ये आंकड़े जेम्स ऐंड जूलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन कार्उंसिल द्वारा दिखाए गए डेटा में उपलब्ध है। व्यापारिक संस्था के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्टि की है कि कथित पीएनबी घोटाले के सामने आने से चाचा-भतीजे के देश छोड़कर जाने के बाद ही सिल्वर जूलरी एक्सपोर्ट में यह गिरावट देखी गई। आरोप हैं कि नीरव मोदी और उसके मामा मेहुल चोकसी ने जो निर्यात दिखाए, वे सिर्फ कागजों तक ही सीमित थे क्योंकि इनके लिए देश में किसी अन्य कंपनियों का इस्तेमाल नहीं हुआ था। सरकारी अधिकारियों ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि एक्सपोर्ट पर सबसे ज्यादा असर सूरत के

स्पेसल इकनॉमिक ज़ोन पर हुआ। हालांकि, अभी इसके आंकड़े उपलब्ध नहीं थे। ऐसे आरोप हैं कि कागजों पर ही भगौड़े मोदी और चोकसी ने एक्सपोर्ट्स पर कब्जा कर रखा था क्योंकि देश में दूसरे बिजनस में इस तरह का बदलाव नहीं देखा गया है। सिल्वर एक्सपोर्ट्स में 2.5 बिलियन डॉलर से ज्यादा की गिरावट ही जेम्स ऐंड जूलरी एक्सपोर्ट में 3 प्रतिशत की कमी का मुख्य कारण है। हालांकि, के वाइस-प्रेजिडेंट कोलिन शाह ने इसकी वजह जीएसटी रिफंड में देरी और लिक्विडिटी समस्याओं को बताया।

बता दें कि हमेशा से सिल्वर जूलरी सेक्टर का देश के एक्सपोर्ट्स कारोबार में अहम योगदान रहा है। पिछले साल गोल्ड पदकों और सिक्कों के एक्सपोर्ट में 55 प्रतइशत की गिरावट हुई थी।

एसबीआई जनरल ने कंपनियों के लिए शुरू की साइबर सुरक्षा बीमा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने साइबर हमलों से कारोबारी इकाइयों की वित्तीय और साख से जुड़े नुकसान की बीमा-सुरक्षा के लिए उत्पाद पेश किया है। कंपनी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। एसबीआई जनरल ने बयान में कहा कि शुरुआत में हमारा ध्यान छोटी एवं मझोली इकाइयों पर होगा बाद में हम इसमें बड़ी कंपनियों को भी शामिल कर सकते हैं। यह उत्पाद साइबर हमलों के बढ़ते खतरों से बचाव करेगा। इसे हैकिंग हमलों, पहचान की चोरी, संवेदनशील सूचनाओं के लीक होने और कारोबार में व्यवधान जैसी गतिविधियों से रक्षा के लिए तैयार किया गया है। कंपनी ने कहा, डिजिटल प्रौद्योगिकी के बढ़ने के साथ-साथ सभी प्रकार और आकार के व्यवसायों के लिए साइबर जोखिम में भी तेजी से वृद्धि हुई है। साइबर हमलावर इस सिद्धांत पर काम करते हैं कि ज्यादातर कारोबारी इकाइयां अपनी साइबर सुरक्षा पर पर्याप्त रूप से खर्च नहीं करते हैं। इसमें कहा गया है कि यह उत्पाद पहले और तीसरे पक्ष कवरेज लाभ की पेशकश करता है। इसमें कारोबार में अचानक रुकावट, सिस्टम फेल होना, साख का नुकसान, मल्टीमीडिया देयता और कंप्यूटर से जुड़े अपराध के कवरेज का विकल्प शामिल हैं। एसबीआई जनरल इंश्योरेंस में के प्रमुख श्री सुब्रमण्यम बी. ने बताया कि व्यवसायों के बीच बढ़ते लचीलेपन के कारण साइबर बीमा के क्षेत्र का तेजी से विकास हो रहा है। और मौजूदा प्रोडक्ट साइबर सिक्योरिटी को मजबूत करने की दिशा में एक ठोस कदम है। उनके मुताबिक इस उत्पाद के माध्यम से साइबर हमले की घटना के बाद ग्राहक को तत्काल में मिलने वाली हर जरूरी सेवाओं की भी पेशकश की जाती है। इसके तहत साइबर घटना के संदर्भ में 24*7 घंटे सेवा दी जाती है। देश में साइबर बीमा की मांग में एक साल में 50 फीसदी उछाल आया है।

सरकारी बैंकों समेत देश की करीब 250 कंपनियों ने इस साल साइबर बीमा कवर खरीदा है। इस वजह है साइबर बीमा पॉलिसी की बिक्री 2017 में एक साल पहले के मुकाबले 50 फीसदी ज्यादा रही है। कंपनियों के बोर्ड रूम साइबर जोखिम को लेकर खूब चर्चा हो रही है। मुंबई की बीमा ब्रोकिंग फर्म मार्श इंडिया के मुताबिक, 2016 के मुकाबले 2017 में साइबर सिक्योरिटी कवर में 50 फीसदी का उछाल आया है। इस फर्म की साइबर बीमा सेगमेंट में काफी बड़ी हिस्सेदारी है।

भारत शुल्क लगाने में आगे नहीं, डब्लुटीऔ के तहत विशिष्ट क्षेत्रों के संरक्षण का अधिकार

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय व्यापार विशेषज्ञों ने कहा है कि भारत 'शुल्क लगाने के मामले में राजा नहीं है और उसके पास कृषि जैसे क्षेत्रों के हितों के संरक्षण के लिए उचित कदम उठाने के पूरे अधिकार हैं। विशेषज्ञों ने अमेरिका के उन आरोपों को खारिज किया है कि भारत सामानों के आयात पर सर्वाधिक शुल्क लगाता है। उन्होंने कहा कि जापान, दक्षिण कोरिया, यूरोपीय संघ और अमेरिका सहित कई विकसित देश और क्षेत्र प्रमुख रूप से कृषि उत्पादों पर बहुत अधिक शुल्क लगाते हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति कई मौकों पर भारत को शुल्क लगाने के मामले में राजा करार दे चुके हैं। उनके मुताबिक अमेरिकी उत्पादों पर बहुत अधिक शुल्क लगाता है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर विश्वजीत धर ने कहा कि अमेरिका के आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं। धर ने कहा, वास्तव में कई उत्पादों पर अमेरिका के आयात शुल्क बहुत अधिक हैं, जैसे कि वह तंबाकू पर 350 प्रतिशत और मूंगफली पर 164 प्रतिशत शुल्क लेता है। वे भी बहुत अधिक शुल्क लेते हैं। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) के प्रोफेसर राकेश मोहन जोशी ने भी कुछ इसी प्रकार की राय प्रकट की। उन्होंने कहा कि अमेरिका के आरोप सही नहीं है और वास्तव में एक विकसित देश होने के नाते उसे अपने कर ढांचे को अधिक युक्तिसंगत बनाना चाहिए। भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद के चेयरमैन मोहित सिंगला ने कहा कि अमेरिका का वक्तव्य सही नहीं है। उन्होंने कहा, अन्य देशों की तरह भारत के पास भी अपने घरेलू हितों के संरक्षण के लिए उचित कदम उठाने का अधिकार है। कई ऐसे देश हैं, जहां भारत की तुलना में शुल्क अधिक है। डब्ल्यूटीओ का सदस्य होने के नाते भारत स्वतंत्र, निष्पक्ष और भरोसेमंद व्यापार के लिए प्रतिबद्ध है।

जेट एयरवेज: बोली प्रक्रिया रही असफल तो बैंक करेंगे 'प्लान-बी' पर काम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जेट एयरवेज को कर्ज दे रखे वित्तीय संस्थान कम्पनी से कर्ज वसूली के रास्ते टटोल रहे हैं। वे मौजूदा बोली प्रक्रिया के विफल रहने की स्थिति में इन्सॉलवैंसी कानून से हटकर मामले के समाधान के पक्ष में हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। जेट एयरवेज पर 8,500 करोड़ रुपए का कर्ज है। बैंकों की ओर से एमर्जैंसी फंड नहीं दिए जाने के बाद कम्पनी ने अपना परिचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। भारतीय स्टेट बैंक (एस.बी.आई.) के नेतृत्व वाले 7 बैंकों के समूह ने एयरलाइन को कर्ज दे रखा है। एस.बी.आई. ने एयरलाइन में हिस्सेदारी बिक्री के लिए बोली प्रक्रिया शुरू की है। सूत्रों के अनुसार वैसे तो कर्जदाताओं को बोली प्रक्रिया के सफल रहने की उम्मीद है लेकिन स्थिति अनुकूल नहीं रहने की स्थिति में बैंक 'प्लान-बी' पर भी काम कर रहे हैं। उसने कहा कि अगर बोली प्रक्रिया विफल रहती है, कर्जदाता कर्ज में डूबी जेट एयरवेज के समाधान को लेकर इन्सॉल्वैंसी एंड बैंकरप्सी (आई.बी.सी.) कोड से बाहर इसके समाधान के पक्ष में हैं। वे मौजूदा गारंटी और संपत्ति के आधार पर वसूली एक विकल्प है जिसे तरजीह दे सकते हैं। संहिता के तहत प्रक्रिया शुरू करने से पहले राष्ट्रीय कम्पनी विधि न्यायाधिकरण (एन.सी.एल.टी.) की मंजूरी जरूरी है। इसमें समाधान बाजार से जुड़ा और समयबद्ध तरीके से होगा। सूत्रों के अनुसार जेट एयरवेज के कर्जदाता जहां अस्थायी रूप से बंद हुई एयरलाइन की हिस्सेदारी बेचने को लेकर आश्वस्त हैं, वहीं उन्होंने वैकल्पिक योजना भी तैयार कर ली है, जिसमें कम्पनी को ऋण वसूली ट्रिब्यूनल (डी.आर.टी.) में खींचना भी शामिल है। ऐसा माना जा रहा है कि 4 इकाइयों -एतिहाद एयरवेज, टी.पी.जी. कैपिटल, इंडिगो पार्टनर्स और राष्ट्रीय निवेश व बुनियादी ढांचा कोष (एन.आई.आई.एफ.) ने जेट एयरवेज में हिस्सेदारी हासिल करने में रुचि दिखाई है। निजी क्षेत्र की फिलहाल बंद हो चुकी विमानन कंपनी जेट एयरवेज के कर्मचारियों के संगठन ने कहा कि वह एयरलाइन को कभी नीचे नहीं जाने देंगे और न ही कंपनी को 'टुकड़े-टुकड़े' करके खत्म करने की अनौपचारिक बातचीत को सहन करेंगे। ऑल इंडिया जेट एयरवेज टैक्नीशियंस एसोसिएशन (ए.आई.जे.ए.टी.ए.) ने एक खुले पत्र में यह बात कही। ए.आई.जे.ए.टी.ए. का यह पत्र नागर विमानन राज्य मंत्री जयंत सिन्हा के एक बयान के बाद आया है। सिन्हा ने कहा कि जेट एयरवेज के क्षमतावान कर्मचारियों को अन्य एयरलाइन में नौकरी दी जा सकती है। ए.आई.जे.ए.टी.ए. के अनुसार जिन कर्मचारियों ने नौकरी छोड़ी है, उन्होंने वित्तीय हालात और अन्य प्रतिबद्धताओं के चलते ऐसा किया है। ट एयरवेज के अस्थायी रूप से बंद होने के कारण हजारों कर्मचारियों के समक्ष रोजी-रोटी की समस्या हो सकती है लेकिन दूसरी एयरलाइन के लिए ऐसे अनुभवी लोगों को नियुक्त करने का अच्छा मौका है। हालांकि उनका वेतन अपेक्षाकृत कम हो सकता है। तेजी से विकास कर रहे भारतीय विमानन क्षेत्र में प्रतिभावान कर्मचारियों की मांग आपूर्ति से कहीं अधिक है। जेट एयरवेज में ठेके पर काम करने वालों समेत करीब 23,000 कर्मचारी हैं।

संक्षिप्त समाचार

बासमती चावल निर्यातक जीआरएम उतरेगी घरेलू बाजार में, करेगी 50 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली। देश की प्रमुख बासमती चावल निर्यातक कंपनी जीआरएम ओवरसीज लिमिटेड ने घरेलू बाजार में प्रवेश करने का निर्णय किया है। देशभर में अपने कारोबार विस्तार के लिए कंपनी अगले दो साल में करीब 50 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक अतुल गर्ग ने कहा कि घरेलू बाजार में पैकेटबंद बासमती चावल की बिक्री तेजी से बढ़ी है। इसलिए हमें घरेलू बाजार में बेहद संभावनाएं नजर आती हैं। शेयर बाजार में सूचीबद्ध जीआरएम ओवरसीज का 2017-18 में कारोबार करीब 950 करोड़ रुपए था। कंपनी हरियाणा के पानीपत में दो प्रसंस्करण संयंत्र चलाती है और हाल ही में उसने गुजरात के एक संयंत्र का अधिग्रहण किया है। गर्ग ने बताया कि हम देश में तीसरे सबसे बड़े बासमती चावल निर्यातक हैं। अब हमारी योजना तनौष ब्रांड के तहत घरेलू बाजार में उतरने की है। गर्ग ने कहा कि कंपनी तीन-चार किस्म के ब्रांडेड बासमती चावल बाजार में उतारेगी। इनकी कीमत 50 से 120 रुपए प्रति किलोग्राम में होगी। कंपनी की योजना अगले दो साल में 50 करोड़ रुपए निवेश की है। इसमें गुजरात के मुद्रा बंदरगाह के पास अधिगृहीत किए गए संयंत्र की कीमत शामिल है।

200 से अधिक कंपनियों में 1 लाख करोड़ रुपए का घपला

नई दिल्ली। दिसंबर 2016 में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वंसी रेजॉलुशन का प्रावधान लागू होने के बाद 200 से अधिक कंपनियों की फॉरेंसिक ऑडिट से एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि के घपले की जानकारी मिली है। भारतीय उद्योग जगत में घपले-घोटालों की बाढ़ से आई हुई है। इसका खुलासा दिवालिया कानून के तहत हो रही जांच में हुआ है। खबर है कि इन्सॉल्वंसी ऐंड बैंकरप्ट्सी कोड (आईबीसी) के तहत कॉर्पोरेट इन्सॉल्वंसी रेजॉलुशन का सामना कर रहीं इन कंपनियों से फंड डायवर्जन की भी आशंका है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जिन दर्जनभर हाई प्रोफाइल मामलों को आईबीसी के तहत रेजॉलुशन के लिए नामित किया, उनमें ज्यादातर में गड़बड़ियां पाई गई हैं। इसलिए, सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस जैसी एजेंसियां भी इनकी अलग से जांच कर रही हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि अब कंपनी मामलों का मंत्रालय इन कंपनियों के प्रमोटरों, डायरेक्टरों और कुछ कंपनियों के ऑडिटरों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू करेगा। कुछ सूत्रों ने यह जानकारी दी। गौरतलब है कि कॉर्पोरेट मिनिस्ट्री पर ही आईबीसी को लागू करने की जिम्मेदारी है। ऑडिट में पैसे को इधर से उधर किए जाने के अलावा संबंधित पक्षों के बीच लेनदेन के साथ-साथ कुछ अन्य तरह की गड़बड़ियां भी पकड़ी गई हैं, जिनमें बैंकों का सहारा भी लिया गया। फॉरेंसिक ऑडिट के तहत धोखाधड़ी और वित्तीय गड़बड़ियों के आंकड़े और साक्ष्य जुटाने के मकसद से किसी संस्था या कंपनी के खातों और लेनदेन की जांच किसी स्वतंत्र आकलन किया जाता है। इसने जेपी इन्फ्राटेक जैसे मामलों में इस बात से पर्दा उठाया है कि इसकी पैरंट कंपनी जयप्रकाश असोसिएट्स ने बैकों से लोन लेने के लिए जेपी इन्फ्राटेक के पास पड़ी जमीन का किस तरीके से इस्तेमाल किया। इसी तरह, ऐमटेक ऑटो और भूषण स्टील के मामलों में गड़बड़ियां सामने आई हैं। तहत लाए गए ज्यादातर मामलों में नैशनल कंपनी लॉ ट्राइब्यूनल (एनसीएलटी) द्वारा नियुक्त रेजॉलुशन प्रफेशनल्स फॉरेंसिक ऑडिट कर रहे हैं।

पेट्रोल के दाम बढ़े, डीजल में राहत, कच्चे तेल में जोरदार उछाल

नई दिल्ली। पेट्रोल के दाम में सोमवार को पांच से छह पैसे प्रति लीटर की वृद्धि दर्ज की गई, लेकिन डीजल के दाम में राहत मिली। हालांकि, आगे तेल के दाम बढ़ने के आसार दिख रहे हैं क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव में जरबदस्त उछाल आया है। अमेरिका द्वारा ईरान से कच्चे तेल के निर्यात पर पूरी प्रतिबंध लगाने की आशंकाओं के बीच कच्चे तेल के दाम में उछाल आया है तेल विपणन कंपनियों ने दिल्ली, कोलकाता, और मुंबई में पेट्रोल के दाम में पांच पैसे प्रति लीटर जबकि चेन्नई में छह पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की, जबकि देश के चार प्रमुख महानगरों में डीजल के दाम में सात पैसे प्रति लीटर की कटौती की गई। हालांकि, तेल के दाम में आगे ज्यादा राहत मिलने की संभावना नहीं दिख रही क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोमवार को ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 74 डॉलर के ऊपर चला गया और डब्ल्यूटीआई का भाव भी 65 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चला गया है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में आई तेजी से भारतीय वायदा बाजार भारतीय वायदा बाजार में भी कच्चे तेल के वायदा सौदों में तेजी का रुख बना हुआ था। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम क्रमशः 73 रुपये, 75.02 रुपये, 78.57 रुपये और 75.77 रुपये प्रति लीटर दर्ज किए गए। चारों महानगरों में डीजल के दाम क्रमशः 66.39 रुपये, 68.13 रुपये, 69.49 रुपये और 70.10 रुपये प्रति लीटर बने दर्ज किए गए। भारतीय वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर मई एक्सपायरी एक्सचेंज पर मई एक्सपायरी कच्चा तेल वायदा अनुबंध में सोमवार को पूर्वाह्न 10.53 बजे 133 रुपये यानी 2.98 फीसदी की तेजी के साथ 4590 रुपये प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था।

दस्तान फाटक के पास बाइक सवार दम्पति को आइसर टेम्पों ने उडाया, पति की मौत

सूरत। बारडोली दस्तान फाटक के पास आइसर टेम्पों ने बाइक सवार दम्पति को टक्कर माकर उडाया। जिससे गंभीर रुप से घायल दम्पति को 108 की मदद से न्यू सिविल हास्पिटल सूरत पहुंचाया गया जहां पर उचार के दौरान पति की मृत्यु हो गई जबकि पत्नी की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। मिली सूचनानुसार लिम्बायत विस्तार के विनोबा नगर में सुभाष कारभारी कामले (36) सपरिवार रहते है। दो दो कैंसर का आपरेशन कराने के बाद सुभाष घर पर ही रहकर आधार कार्ड सहित फोटों आई. डी. प्रुफ बनाकर अपनी दिनचर्या चलाया करते थे। आज भाई के ससुर के दु:खद वैसणा में जाने के लिए बाइक पर महाराष्ट्र के नासिक जाने के लिए निकले थे। इसी बीच बारडोली दस्तान फाटक के पास टेम्पों ने बाइक सवार दम्पति को टक्कर मारी थी। जिससे सुभाष और उनकी पत्नी अरुणा गंभीर रुप से घायल हो गए। दोनों का घायलावस्था में ा08 के माध्यम से न्यू सिविल अस्पताल सूरत पहुंचाया गया जहां पर उपचार के दौरान पति की मृत्यु हो गई जबकि पत्नी के वाये पैर में फ्रैक्चर तथा गंभीर स्थिति में घायल है।

डिंडोली की परिणीता को दो लाख रुपये दहेज के लिए त्रास

परिणीता ने पुलिस की शरण ली

सूरत। सोमवार को सूरत के डिंडोली पुलिस स्टेशन क्षेत्र स्थिति डिंडोली की एक परिणीता ने दो लाख रुपये तथा मोटर साइकल की दहेज में मांग कर शारीरिक एवं मानसिक त्रास ससुराल वालों द्वारा दिये जाने के विरुद्ध डिंडोली पुलिस स्टेशन में फरियाद दर्ज कराई है। डिंडोली पुलिस द्वारा प्राप्त सुचनानुसार बारडोली तालुका के माजेक पुर गाम स्थित रमण मदन झा की शादी डिंडोली विस्तार में रहने वाली युवती के साथ हुई थी। वैवाहिक जीवन के बीच रमण मदन झा मदन तुरुन्त लाल झा (ससुर) सीता देवी मदन झा (सास) पवन मदन झा (देवर) चांदनी पवन झा (देवराणी) वगैरहने दहेज हेतु रु. 2 लाख तथा मोटर साइकल की मांग कर शारीरिक एवं मानसिक त्रास देते थे। जिससे तंग आकर परिणीता अपने मायके में आकर डिंडोली पुलिस स्टेशन में पति सहति ससुराल वालों के विरुद्ध फरियाद दर्ज की है। पुलिस ने फरियाद दर्ज कर जांच की कार्यवाही शुरु कर दी है।

[illegible]

रिसीविंग सेंटर में से पद नियुक्त कर्मचारियों को ई.वी.एम. का वितरण पदानुसार चुनाव आयोग के कर्मचारी सोमवार शाम तक ही मतदान केन्द्र पर पहुंच गए

सूरत। सोमवार संसदीय चुनावों के मद्देनजर सोमवार सुबह से ही चुनावी प्रक्रिया में संलग्न कर्मचारियों को रण्डम ली मदतान केन्द्रों का आवन्टन किया गया। उसके बाद उन मतदान केन्द्रों का स्टाफ ई.वी.एम सहित जरुरी साधन सामग्री के साथ अपनी टीम बनाकर मतदान केन्द्रों के लिए रवाना हो गए। सूरत जिला कलेक्टर डा. धवल पटेल के मार्गदर्शन के तहत शहर में एम.टी.वी आर्टस कालेज एवं टी.एण्ड टी.वी स्कूल स्थित दो डिस्पैच एवं रिसीविंग सेन्टर बनाये गए है। कल ता. 23 अप्रैल को लोकसभा चुनाव 2019 में संलग्न तमाम स्टाफ सुबह जो उस डिस्पेच सेंटर में हाजिर हुए थे। कम्प्युटर द्वारा रेण्डमली जो उस मदतान केन्द्र हेतु स्टाफ आवंटन किया गया था। उसके बाद जो उस मतदान केन्द्र के अनुसार ई.वी.एम को आवन्टन के बाद प ोलिंग स्टाफ की टीम बनायी गयी दरेक टीम को ई.वी.एम मशीन सहित मदतान प्रक्रिया के लिए जरुरी सहित्य एवं साधन सामग्री की किट का वितरण किया गया था।

एम.टी.बी कालेज एवं टी.एण्ड टी.वी. स्कूल स्थित सट्रोंग रुम में रखी गयी ई.वी.एम एवं वी.वी.पेट का आवन्टन किया गया। जिला कलेक्टर की हाजिरी में दोनों स्ट्रोंग रुम खोले गए। चुनाव स्टाफ ने स्टैंड बाय के लिए यी ई.वी.एम एवं स्टाफ का आवन्टन होना है। आज सुबह शान्तिपूर्वक चुनाव स्टाफ का कार्यक्रम शुरु हुआ। दोपहर तक जरुरी साधन सामग्री लेने के बाद पोलिंग स्टाफ अपने मतदान केन्द्रों की तरफ रवाना हो गए। मतदान केन्द्र तक जाने हेतु उसी रुट के अनुसार बसों की व्यवस्था भी की गयी है। दोपहर बाद मतदान कन्द्रों पर चौकस एवं चुस्त बन्दोबस्त की व्यवस्था कर दी जाएगी।

गुजरात की 26 सीटों पर चुनाव आज, चुनावी मैदान में 371 उम्मीदवार

(जी.एन.एस) ता. 22

गांधीनगर। गुजरात मे 23 अप्रैल (मंगलवार) को चुनाव होने है। तो दूसरी तरफ चुनावी अधिकारियों ने भी अपनी कार्यपद्धति को एक अलग मोड़ दे दिया है चुनाव अधिकारी डॉ. एस. मुरली कृष्णा ने बताया कि गुजरात राज्य में आचार संहिता लागू होने के बाद अभी तक 56,907 मंजूरी वाले कानूनी हथियार जप्त करे है। लेकिन पुलिस थानों में अभी तक मात्र 51,995 जितने हथियार जमा कराए गए है। इसके साथ साथ चुनाव अधिकारियों के सहयोग से गुजरात पुलिस ने भी गुजरात मे 11 करोड़ की देशी शराब को कब्जे किया है। ड्राय स्टेट गुजरात में इस दौरान 3.9 लाख लीटर शराब बरामद हुई, इसकी कीमत 11.13 करोड़ रूपये है। गुजरात में सर्वाधिक 130.73 कि.ग्रा ड्रग्स बरामद किया गया है। इसका अंतर्राष्ट्रीय मूल्य 524. 34 करोड़ रूपये हैं। अन्य राज्यों की तुलना में यह सबसे अधिक है।

गुजरात में प्रतिदिन तकरीबन 13 करोड़ रूपये का ड्रग्स पकड़ा गया है। जप्त की गई केश रकम जो इन्कम टेक्स ने उस पर कब्जा किया है। कब्जे करने वाली कुल रकम 0.61 करोड़ बताई जा रही है। जिसमे 1.04 करोड़ सूरत, रुपिया.0.94 करोड़ वलसाड, जबकि अमदावाद में 2.54 करोड़ जैसी अलग अलग जिल्लो से केश रकम का समावेश किया जाता है। देश में आचार संहिता लागू होने के बाद प्रतिदिन औसतन 13 करोड़ रूपये बरामद हुए हैं। केन्द्रीय निर्वाचन आयोग द्वारा जारी विवरण के अनुसार गुजरात में प्रतिदिन औसतन 13 करोड़ रूपये गैर हिसाबी बरामद हुए हैं। यहाँ प्रतिदिन तकरीबन 213.18 करोड़ रूपये जप्त किये गये हैं।

चुनाव अधिकारी का कहना है कि गुजरात राज्य में पुरुषों की संख्या 2,34,28,119 है जबकि महिलाओं की संख्या 2,16,96,571 बताई जा रही है। अन्य जाती में भी कुल 990 जितने लोग मतदान करते है। गुजरात राज्य में दिव्यागों के बूथों की भी रचना की गई है, जिसमे कुल दिव्याग बूथ 1,68,054 है। दिव्याग मतदारो के लिए चुनाव अधिकारी तरफ से सुविधाओ का प्रावधान रखा गया है। जिसमे उनके लिए पानी पीने की वेवस्था, मतदान बूथ तक व्हीलचेयर, और व्हीलचेयर को चलाने वाला एक सहायक भी साथ मे रखा गया है। दिव्यागों बूथों के साथ साथ सखी बूथों की भी वेव-स्था की गई है जिसमे महिलाएं लाभ ले सकती है। गुजरात राज में लोकसभा की 26 बैठकों पर चुनाव लड़ने के लिए 572 उम्मीदवारो ने अपना पर्चा भरा जिसमे से 120 उम्मीदवारों का पर्चा चेक करने के बाद रद्द किया गया। जिससे अब चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार मात्र 371 बचे है जो लोकसभा की चुनावी जंग लड़ेंगे। ज्यादा जानकारी देते हुए चुनाव अधिकारी डॉ. एस.मुरली कृष्णा ने बताया कि इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिकेट और पोस्टल बेलेट की सुविधा की गई है जिससे फरज पर तैनात सरकारी मतदाता इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिकेट और पोस्टल बेलेट द्वारा अपने सेंटर में मतदान कर सकते है। अभी तक कुल 1,00,336 जितने पुलिस तथा होमगार्ड मतदाताओ ने चुनावी प्रक्रिया पूरी कर ली है। चुनावी प्रक्रिया के लिए तमाम तैयारी कर दी गई है।

पैसे की लालच दे अधेड़ का किशोर के साथ व्यभिचार करने से हाहाकार

सूरत। सोमवार को सूरत शहर धीमे धीमे क्राइम सिटी बनता जा रहा है। लूट, हत्या, दुष्कर्म जैसी घटनाये धीरे-धीरे बढती जा रही है। ऐसी ही एक घटना सूरत में बनी है। एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने एक किशोर को पैसे का लालच देकर सृष्टि विरुद्ध कृत्य किया है। जब किशोर ने इस घटना के सम्बन्ध में अपने परिवार के लोगों को बताया तो परिवार के लोगों ने पुलिस स्टेशन में पोक्सों के तहत केस दर्ज कर जांच की कार्यवाही शुरु कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार सूरत के पुणा में कारगिल चौक स्थित एक सोसाइटी में सौराष्ट्रवासी परिवार रहता है। इस परिवार के 16 वर्षीय पुत्र जिगर (बदला हुआ नाम) कक्षा 10 का विद्यार्थी था इस बीच जिगर पिछले काफी समय से एक चालीस वर्षीय कनु नत्थु भाई कथरोटिया परेशान करता था। एक वर्ष पहले अनामिल सोसाइटी के नकि पर पान के गल्ले पर गया था। तब कनुने सामान लाने के बहाने अपने घर ले गया था। यहां कनु ने जबरन सगीर बालक के साथ मुख मैथुन कराया और सृष्टि विरुद्ध कार्य भी किया। इस प्रकार एक वर्ष में दो बार कनु ने सगीर के साथ विकृत हरकत की। रु. 10 से 20 देकर घर बुलाता और कनु दुष्कृत्य करता था। जिगर इस मामले को अपने परिवार जनों से बात किया तो मामला पुलिस में पुहंचा और पुलिस ने पोक्सों एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच कार्यवाही शुरु कर दी है।

मुकेश पटेल का पलटवार- दिलीप साबवा सबसे बड़ा नशेबाज

गांधीनगर। गुजरात के सियासी दंगल में एक के ऊपर एक पत्ते फेके जा रहे है तो दूसरी तरफ बोली के बान भी चलाए जा रहे है। पाटीदार अग्रणी दिलीप साबवा ने बीते दिन में प्रेस को संबोधन करते हुए पाटीदार समाज के युवान और आन्दोलनकारीयो को नशाखोर बताया और उसे साबित भी करने की पूरी कोशिश की लेकिन पाटीदार समाज के मुकेश पटेल ने इस बात पर पलटवार करते हुए इस बात झूठलाया है और कहा है कि, समाज के युवान शराब के नशेबाज नही है बल्कि दिलीप साबवा खुद एक सबसे बड़ा नशेबाज है, जिसे गुजरात के साथ साथ पाटीदार समाज भी अच्छी तरह जानता है। आज उन्होंने पाटीदार समाज के युवानो पर सियासी दंगल खेलने की हिमाकत की है जिसे पाटीदार समाज कभी नही भूलेगा। आज पाटीदार समाज के बहुत से कार्यकर्ता कांग्रेस अथवा भाजपा में जुड़े लेकिन उससे हमारा कोई विरोध नही है। ज्यादा जानकारी देते हुए पाटीदार अग्रणी मुकेश पटेल ने कहा की दिलीप साबवा को अब आने वाले समय मे पाटीदार के किसी भी कार्यक्रम में शामिल नही किया जाएगा।

हीरा बा का आशीर्वाद लेने के बाद मतदान करेंगे पीएम मोदी

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल माता हीरा बा का आशीर्वाद लेने के पश्चात अहमदाबाद के राणीप क्षेत्र में मतदान करेंगे और उसके बाद वह उड़ीसा के लिए रवाना होंगे। पिछले कई दिनों से देशभर में धुआंधार रैलियां कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज दोपहर महाराष्ट्र में रैली संबोधित कर वडोदरा पहुंचे। जहां से राजस्थान के उदयपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अहमदाबाद में आगमन हो गया है। अहमदाबाद हवाई अड्डे से पीएम मोदी गांधीनगर स्थित राजभवन रवाना हो गए। राजभवन में रात्रि विश्राम कर 23 अप्रैल की सुबह गांधीनगर के रायसण में अपनी माता हीरा बा के आशीर्वाद लेने जाएंगे। हीरा बा से आशीर्वाद प्राप्त कर पीएम मोदी अहमदाबाद के राणीप क्षेत्र की निशांत स्कूल में मतदान करेंगे।

हाईकोर्ट ने द्वारका सीट का चुनाव रद्द किया था

पबुभा माणेक को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका : स्टे नहीं मिला

सुप्रीम से राहत नहीं मिलने पर माणेक विधायक के तौर पर काम नहीं कर सकेंगे : सितम्बर में आगे की सुनवाई

अहमदाबाद । द्वारका विधानसभा २०१७ के चुनाव में विजेता बने भाजपा के उम्मीदवार पबुभा माणेक के फॉर्म में गलती होने के मामले में हुई इलेक्शन पीटिशन में गुजरात हाईकोर्ट ने द्वारका विधानसभा की २०१७ का चुनाव रद्द करने का आदेश दिया गया था । इस मामले में पबुभा ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी की थी । सोमवार की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर स्टे लगाने का इन्कार किया था। जिसकी वजह से पबुभा माणेक को सुप्रीम कोर्ट से बहुत बड़ा झटका लगा है ।सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिलने पर पबुभा माणेक विधायक के तौर पर काम नहीं कर सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने यह केस की आगे की सुनवाई सितम्बर महीने में मुकर्र की थी और वहां तक इस सीट का चुनाव आयोजित नहीं करने के लिए आदेश दिया गया। सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद पबुभा ने उनको न्यायतंत्र पर पूरा विश्वास होने का दावा किया । द्वारका २०१७ विधानसभा के चुनाव में भाजपा के विधायक पबुभा माणेक ६९४३ मतों की बढ़त से विजयी हुए थे । तब उनके खिलाफ हार गये कांग्रेस के उम्मीदवार मेरामण गोरिया ने पबुभा की जीत और उनका नामांकन फॉर्म रद्द करने के लिए गुजरात हाईकोर्ट में अज ीं की थी ।

जिसमें जस्टिस परेश उपाध्याय ने मेरामण गोरिया की अर्जी को मान्य रखा था द्वारका विधानसभा सीट का चुनाव रद्द ठहराया गया था । सोमवार की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर स्टे लगाने का इन्कार किया था । जिसकी वजह से पबुभा माणेक को सुप्रीम कोर्ट से बहुत बड़ा झटका लगा है ।सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिलने पर पबुभा माणेक विधायक के तौर पर काम नहीं कर सकेंगे । सुप्रीम कोर्ट ने यह केस की आगे की सुनवाई सितम्बर महीने में मुकर्र की थी और वहां तक इस सीट का चुनाव आयोजित नहीं करने के लिए आदेश दिया गया । जिसकी वजह से भाजपा के विजयी उम्मीदवार पबुभा माणेक का विधायक के तौर पर काम नहीं कर सकेंगे । पबुभा माणेक हाईकोर्ट के यह फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी । पबुभा द्वारा अंतरिम राहत के तहत हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ स्टे लगाने की मांग की गई थी । हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उनको कोई राहत नहीं दी और केस की आगे की सुनवाई सितम्बर महीने में मुकर्र की गई थी । सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को हुई सुनवाई में कोई राहत नहीं मिलने पर अब पबुभा विधायक के तौर पर काम नहीं कर सकेंगे।

सेंट्रल एक्साइज कॉलोनी में से जीएसटी की फाइलों की चोरी

अहमदाबाद । शहर के प्रगतिनगर क्षेत्र में स्थित सेंट्रल एक्साइज कॉलोनी में स्थित जीएसटी के रिकॉर्ड रूम से कई फाइलें चोरी हो जाने का सामने आने पर जीएसटी विभाग सहित सरकारी विभाग में खलबली मच गई है । जीएसटी विभाग ने हजारों फाइलें रखने के लिए रिकॉर्ड रूम बनाया गया था । जहां किसी चोर ने ताला खोलकर कई फाइलों की चोरी की है ।

घोटाले की फाइलों को ठिकाने लगाने के लिए यह चोरी की गई होने की आशंका है । वस्त्रापुर क्षेत्र में स्थित कासायोमा सोसाइटी में रहते और मूल महाराष्ट्र के योगेशभाई पांडुरंग ऊडे ने नारणपुरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसे लेकर पुलिस ने पूरे मामले में जांच शुरू कर दी है । योगेशभाई मीठाखली छह रास्ते के पास स्थित प्रिमा चैम्बर में जीएसटी के जोनल यूनिट के इन्टेलिजन्स विभाग में डेप्युटी डिरेक्टर के तौर पर ड्यूटी करते है । शिकायत के अनुसार, प्रगतिनगर क्षेत्र में स्थित सेंट्रल एक्साइज कॉलोनी के एक फ्लेट में जीएसटी की कई फाइलें रखी गई है । जीएसटी के कई कर्मचारी सेंट्रल एक्साइज कोलोनी में रहते है ।जिसकी वजह से एम-३७ ब्लोक के फ्लेट नंबर-२२० में जीएसटी की हजारों फाइलें रखी गई है । जीएसटी के महत्वपूर्ण रिकॉर्ड की देखरेख करने की जिम्मेदारी के लिए एक जीएसटी का इंस्पेक्टर रखा गया है । फिलहाल यह दस्तावेजों की जिम्मेदारी इंस्पेक्टर धर्मेन्द्र यादव की है और कॉन्ट्रैक्ट में काम करते अश्विनभाई सोलंकी की है। सुबह में १० बजे से शाम के छह बजे तक दोनों कर्मचारी ड्यूटी करते है। १८ अप्रैल को शाम को पांच बजे के करीब अश्विनभाई सोलंकी रिकॉर्ड रूम की ऑफिस बंद करके चले गये थे । २० अप्रैल को योगेशभाई जब अपनी ऑफिस में मौजूद थे तब जीएसटी में काम करते प्रेमचंद जैन ने उनको फोन किया था सेंट्रल एक्साइज कोलोनी में फ्लेट नंबर २२० का ताला टूटा हुआ है यह बताया था । महत्वपूर्ण रिकॉर्ड रूम का दरवाजा खुला होने का समाचार मिलने के साथ योगेश अपनी टीम के साथ तुरंत सेंट्रल एक्साइज कॉलोनी में पहुंच गये थे ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**